



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (प्रसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 27 अगस्त, 2004/5 भाद्रपद, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

चम्बा-176310, 16 अगस्त, 2004

संख्या पंच-चम्बा--833-41.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी पांगी के पत्र संख्या-160 दिनांक 13-4-2004 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्रीमती गुड्डो, सदस्या वार्ड-I ग्राम पंचायत रेई, विकास खण्ड पांगी के दिनांक 2-12-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत रेई के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर के क्रमांक दिनांक के अन्तर्गत दर्ज है जिसके अनुसार श्रीमती गुड्डो, सदस्या वार्ड-I ग्राम पंचायत पांगी की यह तीसरी जीवित सन्तान है जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप धारा (1) के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्रीमती गुड्डो, सदस्या वार्ड-I, ग्राम पंचायत रेई के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुकी है।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या: पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-1329-36, दिनांक 13-7-2004 द्वारा श्रीमती गुड्डो, सदस्य वार्ड-I, ग्राम पंचायत रेई को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनका उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करती है।

अतः मैं, राहुल आनन्द, (भा0 प्र0 से0) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) तथा धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती गुड्डो सदस्य वार्ड-I, ग्राम पंचायत रेई, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा सदस्य वार्ड-I, ग्राम पंचायत रेई, विकास खण्ड पांगी का पद रिक्त घोषित करता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत रेई का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त सचिव ग्राम पंचायत रेई को सौंप दें।

चम्बा-176310, 16 अगस्त, 2004

संख्या पंच-चम्बा-842-50.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी पांगी के पत्र संख्या-160, दिनांक 13-4-2004 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री केहर सिंह पं0/स0 सदस्य ग्राम पंचायत रेई, विकास खण्ड पांगी के दिनांक 27-8-2002 की एक अतिरिक्त सन्तान हुई है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत रेई के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर के क्रमांक दिनांक के अन्तर्गत दर्ज है जिसके अनुसार श्री केहर सिंह, पं0 स0 सदस्य रेई, की यह चौथी जीवित सन्तान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप धारा (1) के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री केहर सिंह, पंचायत स0 सदस्य ग्राम पंचायत रेई के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या: पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-611-18, दिनांक 13-7-2004 द्वारा श्री केहर सिंह, ग्राम पंचायत स0 सदस्य रेई को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनका उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द, (भा0 प्र0 से0) हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) तथा धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री केहर सिंह पंचायत स0, सदस्य रेई, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा पंचायत स0 सदस्य रेई, विकास खण्ड पांगी का पद रिक्त घोषित करता हूँ कि यदि उनके पास पंचायत समिति रेई का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त कार्यकारी अधिकारी पांगी को सौंप दें।

चम्बा-176310, 16 अगस्त, 2004

संख्या पंच-चम्बा-859-67,—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, पांगी के पत्र संख्या-160, दिनांक 13-4-2004 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री टेक चन्द, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत साच, विकास खण्ड पांगी के दिनांक 13-6-2001 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत साच के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर के क्रमांक . . . दिनांक . . . के अन्तर्गत दर्ज है जिसके अनुसार श्री टेक चन्द, उप-प्रधान ग्राम पंचायत साच की यह तीसरी जीवित सन्तान है जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1)

के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री टेक चन्द, उप-प्रधान ग्राम पंचायत पांगी के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्पा-ए (16) 10/79-2002-11-653-60, दिनांक 13-7-2004 द्वारा श्री टेक चन्द, उप-प्रधान ग्राम पंचायत साच को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनका कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) तथा धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री टेक चन्द, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत साच, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्पा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा उप-प्रधान ग्राम पंचायत साच, विकास खण्ड पांगी का पद रिक्त घोषित करता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत साच का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त सचिव, ग्राम पंचायत साच को सौंप दें।

चम्पा-176310, 16 अगस्त, 2004

संख्या पंच-चम्पा 851-58.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी पांगी के पत्र संख्या-160, दिनांक 13-4-2004 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री हरिनाथ, सदस्य वार्ड-3 ग्राम पंचायत रेई, विकास खण्ड पांगी के दिनांक 26-2-2004 को एक अनिश्चित मन्तव्य है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत रेई के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर के क्रमांक दिनांक के अन्तर्गत दर्ज है जिसके अनुसार श्री हरिनाथ, सदस्य वार्ड-3 ग्राम पंचायत रेई की यह चौथी जीवित मन्तव्य है जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (मंगोघन) अधिनियम 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत मंगोघन धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री हरिनाथ, सदस्य वार्ड-3, ग्राम पंचायत रेई के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्पा-ए (16) 10/79-2002-II-629-36, दिनांक 13-7-2004 द्वारा श्री हरिनाथ, सदस्य ग्राम पंचायत रेई को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनका कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द, (भा0 प्र0 से0) हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(1) तथा धारा 131(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हरिनाथ, सदस्य वार्ड-3, ग्राम पंचायत रेई, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्पा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा सदस्य वार्ड-3, ग्राम पंचायत रेई, विकास खण्ड पांगी का पद रिक्त घोषित करता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत रेई का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त सचिव, ग्राम पंचायत रेई को सौंप दें।

चम्पा-176310, 16 अगस्त, 2004

संख्या पंच-चम्पा-868-76.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी भरमौर के पत्र संख्या 1974, दिनांक 28-10-2003 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्रीमती इन्द्रा देवी, सदस्य वार्ड-4 ग्राम पंचायत उलासा, विकास खण्ड भरमौर के दिनांक 29-6-2003 को एक अनिश्चित मन्तव्य है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत उलासा के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर के क्रमांक दिनांक के

अन्तर्गत दर्ज है जिसके अनुसार श्रीमती इन्द्रा देवी, सदस्या, वार्ड-4, ग्राम पंचायत उलासा की यह चौथी जीवित सन्तान है जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2004 (2004 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्रीमती इन्द्रा देवी, सदस्या, वार्ड-4, ग्राम पंचायत उलासा के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुकी है।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए(16) 10/79-2002-II-668-75 दिनांक 13-7-2004 द्वारा श्रीमती इन्द्रा देवी, सदस्या वार्ड-4, ग्राम पंचायत उलासा को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनका उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करती हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) तथा धारा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती इन्द्रा देवी, सदस्या, वार्ड-4, ग्राम पंचायत उलासा, विकास खण्ड भरमौर, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा वार्ड-4, ग्राम पंचायत उलासा विकास खण्ड भरमौर का पद रिक्त घोषित करता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत उलासा का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त सचिव, ग्राम पंचायत उलासा को सौंप दें।

चम्बा-176310, 16 अगस्त, 2004

संख्या पंच-चम्बा-877-85.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, भरमौर के पत्र संख्या 228, दिनांक 9-6-2004 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया है कि श्रीमती सलोचना देवी, वार्ड सदस्या, ग्राम पंचायत कुवारसी, विकास खण्ड भरमौर के दिनांक 9-12-2003 को एक अतिरिक्त सन्तान पैदा हुई है, जिसकी इन्द्रा ग्राम पंचायत कुवारसी के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर के क्रमांक दिनांक के अन्तर्गत दर्ज है जिसके अनुसार श्रीमती सलोचना देवी, वार्ड सदस्या, ग्राम पंचायत कुवारसी की यह तीसरी जीवित सन्तान है जो कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्रीमती सलोचना देवी, वार्ड सदस्या, ग्राम पंचायत कुवारसी के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुकी हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या-पंच चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-661-67, दिनांक 13-7-2004 द्वारा श्रीमती सलोचना देवी, ग्राम पंचायत कुवारसी को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनका कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करती हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) तथा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रीमती सलोचना देवी, वार्ड सदस्या, ग्राम पंचायत कुवारसी, विकास खण्ड भरमौर, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा ग्राम पंचायत कुवारसी, विकास खण्ड भरमौर का पद रिक्त घोषित करता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत कुवारसी का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त सचिव, ग्राम पंचायत कुवारसी को सौंप दें।

चम्बा-176310, 16 अगस्त, 2004

संख्या 894-903.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, पांगी के पत्र संख्या 160, दिनांक 13-4-2004 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट में पाया गया कि श्री योग सिंह, पंचायत समिति सदस्य, ग्राम पंचायत पुरी, विकास खण्ड पांगी के दिनांक 25-10-2001 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत पुरी के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर के क्रमांक . . . , दिनांक . . . के अन्तर्गत दर्ज है। जिसके अनुसार श्री योग सिंह, सदस्य, पंचायत समिति, ग्राम पंचायत पुरी की यह तीसरी जीवित सन्तान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड “ण” के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री योग सिंह, सदस्य, पंचायत समिति, ग्राम पंचायत पुरी के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए (16) 10/79-2002-II-676-83, दिनांक 13-7-2004 द्वारा श्री योग सिंह, ग्राम पंचायत पुरी को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनका उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) तथा धारा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री योग सिंह, सदस्य, पंचायत समिति, ग्राम पंचायत पुरी, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा पंचायत समिति, ग्राम पंचायत पुरी, विकास खण्ड पांगी का पद रिक्त घोषित करता हूँ कि यदि उसके पास पंचायत समिति का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त कार्यकारी अधिकारी को सौंप दें।

चम्बा-176310, 16 अगस्त, 2004

संख्या 904-911.—जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी, पांगी के पत्र संख्या 160, दिनांक 13-4-2004 के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया कि श्री माधो राम, वार्ड नं0 6, ग्राम पंचायत पुरी, विकास खण्ड पांगी के दिनांक 2-12-2002 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है, जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत पुरी के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर के क्रमांक . . . , दिनांक . . . के अन्तर्गत दर्ज है, जिसके अनुसार श्री माधो राम, वार्ड नं0 6, ग्राम पंचायत पुरी की यह तीसरी जीवित सन्तान है जोकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड “ण” के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री माधो राम, वार्ड नं0 6, ग्राम पंचायत पुरी के पद हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-चम्बा-ए0 (16) 10/79-2002-II-637-44, दिनांक 13-7-2004 द्वारा श्री माधो राम, वार्ड नं0 6, ग्राम पंचायत पुरी को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया गया था, परन्तु उनका उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्हें इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है तथा वह अपनी अयोग्यता स्वीकार करते हैं।

अतः मैं, राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) तथा धारा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री माधो राम, वार्ड नं0 6, ग्राम पंचायत पुरी, विकास खण्ड पांगी, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ तथा वार्ड

नं० 6, ग्राम पंचायत पुर्यी, विकास खण्ड पांगी का पद रिक्त घोषित करता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत पुर्यी का कोई अभिलेख, धन या चल-अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त सचिव, ग्राम पंचायत पुर्यी को सौंप दें।

चम्बा-176310, 16 अगस्त, 2004

संख्या पंच-ए० (16) 10/79-02-11-886-93. —जैसे कि खण्ड विकास अधिकारी भरमौर के पत्र संख्या शून्य दिनांक शून्य के अन्तर्गत दी गई रिपोर्ट से पाया गया श्री कुलवंश सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कुलेठ, विकास खण्ड भरमौर के दिनांक 10-2-2002 को एक अतिरिक्त सन्तान हुई है जिसका इन्द्राज ग्राम पंचायत कुलेठ के जन्म एवं मृत्यु रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण संख्या 2 दिनांक 12-02-2002 के अन्तर्गत दर्ज है, जिसके मुताबिक श्री कुलवंश सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कुलेठ की यह तीसरी सन्तान है जो हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 (2000 का अधिनियम संख्या 18) के अन्तर्गत संशोधित धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" के प्रावधान लागू होने की दिनांक 8-6-2001 के उपरान्त उत्पन्न हुई है, जिसके फलस्वरूप श्री कुलवंश सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कुलेठ के पद पर/हेतु पदासीन रहने के अयोग्य हो चुके हैं।

इस सम्बन्ध में इस कार्यालय के आदेश संख्या पंच-ए० (16) 10/79-02-11-645-52 दिनांक 13-7-2004 द्वारा श्री कुलवंश सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कुलेठ को अपना पक्ष स्पष्ट करने का मौका दिया था, उनका उत्तर दिनांक 28-7-2004 को इस कार्यालय में प्राप्त हुआ, जिसमें उन्होंने उक्त अधिनियम के अन्तर्गत तीसरी सन्तान को 8-6-2001 के पश्चात् एक वर्ष के भीतर होने को सही माना है जबकि 8-6-2001 के पश्चात् सन्तान उत्पन्न होना अयोग्यता मानो जाती है। क्योंकि उक्त नियम 3-6-2000 को प्रभावी हो गया था। अधिनियम 2000 की धारा 122 की उप-धारा (1) के खण्ड "ण" में स्पष्ट है कि "ण" यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है;

"परन्तु खण्ड (ण) के अधीन निरहंता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी, जिसके यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान है, जब कि उसकी उक्त एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती"।

प्रतः मैं, राहुल आनन्द, (भा० प्र० से०), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) तथा धारा 131 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री कुलवंश सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत कुलेठ, विकास खण्ड भरमौर, जिला चम्बा के पद पर पदासीन रहना समाप्त करता हूँ, ग्राम पंचायत कुलेठ के उप-प्रधान का पद रिक्त घोषित करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत कुलेठ का कोई अभिलेख, या चल अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त सचिव, ग्राम पंचायत कुलेठ को सौंप दें।

राहुल आनन्द (भा० प्र० से०),
उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा,
हिमाचल प्रदेश।

कायस्थ जिला पंचायत अधिकारी, चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

चम्बा-176310, 19 अगस्त, 2004

संख्या पंच-ए० (16)-11-928-35. —जैसे कि श्री शिव चन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत थनेई कोठी, विकास खण्ड भरमौर, हिमाचल प्रदेश के पद पर पदासीन रहना समाप्त होने वाले शिकायत पत्र प्राप्त हुआ था, जिसकी

जांच दिनांक 8-7-2004 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्राप्त: 11 बजे ग्राम पंचायत के मुख्यालय थनेई कोठी में की गई, तथा प्रधान श्री शिव चन्द ने कबूल किया कि उसके घर तीसरी सन्तान हुई है तथा उक्त दिनांक को ही श्री शिव चन्द ने अधोहस्ताक्षरी को अपने पद से त्याग पत्र सौंप दिया जिसके फलस्वरूप प्रधान, ग्राम पंचायत थनेई कोठी का पद रिक्त हो गया।

अतः मैं, उत्तम सिंह वर्मा, जिला पंचायत अधिकारी चम्बा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 (1) व हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री शिव चन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत थनेई कोठी, विकास खण्ड तीसा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश का प्रधान का पद त्याग पत्र स्वीकार करते हुए ग्राम पंचायत थनेई कोठी, विकास खण्ड तीसा का प्रधान पद रिक्त घोषित करता हूँ।

कारण बताओ नोटिस

चम्बा-176310, 19 अगस्त, 2004

संख्या पी0 सी0 एच0-सी0 बी0 ए0-सी0 (48) 7/2004/पंच-चम्बा-953-959.--चूंकि श्री अरुण कुमार प्रधान ग्राम पंचायत मेल के विरुद्ध ग्राम पंचायत मेल में की जा रही अनियमितताओं व भारी पैमाने पर की जा रही वित्तीय धांधली बारे प्राप्त शिकायत की जांच अधोहस्ताक्षरी द्वारा की गई, जांच अनुसार अनियमितताएं राशि के छल हरण के मामले पाये गये। जिसका विवरण संक्षिप्त रूप में किया जा रहा है :—

- (1) सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना चरण-II के अन्तर्गत मु0 24,809/- रु0 निर्माण रास्ता नेकी से मेल स्वीकृत था जो कि भौतिक निरीक्षण में मौका पर नहीं पाया गया, रोकड़ में इसके व्यय प्रमाणक दर्ज हुए हैं। इस प्रकार प्रधान ने उक्त राशि का छल हरण किया है।
- (2) उपरोक्त योजना के अन्तर्गत मु0 20,340/- रु0 की राशि निर्माण फुटपाथ मेल से खर्च हेतु स्वीकृत थी, प्रधान द्वारा मौका पर कार्य नहीं करवाया गया लेकिन व्यय प्रमाणक रोकड़ में दर्ज है। इस प्रकार प्रधान द्वारा उक्त राशि का छल हरण किया गया है।
- (3) उक्त योजना के अन्तर्गत मु0 20,400/- रु0 की राशि निर्माण गोचर फुट पाथ हेतु स्वीकृत थी मौका पर पाया कि कार्य नहीं हुआ है। परन्तु व्यय प्रमाणक रोकड़ में दर्ज है। इस प्रकार प्रधान द्वारा उक्त राशि का छलहरण किया है।

अतः उपरोक्त तथ्यों के सुधार पर श्री अरुण कुमार, प्रधान ग्राम पंचायत मेल, विकास खण्ड भटियात को उक्त कृत्यों बारे कारण बताओ नोटिस किया जाता है, जिसका उत्तर 15 दिनों के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त होना चाहिए। अन्यथा यह समझा जायेगा कि वह अपने उपर लगे आरोपों के बारे में कुछ नहीं कहना चाहते तथा उनके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज विभाग/अधिनियम 1994 की धारा 145(1) के अन्तर्गत कार्यवाही अमल में लाई जाएगी, जिसका उत्तरदायित्व स्वयं उनका होगा।

उत्तम सिंह वर्मा,
जिला पंचायत अधिकारी,
चम्बा (दि0 प्र0)।

